कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.जे.वाई.-005 : ज्योतिर्विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

निदेश: निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। 3×20=60

1. वैदिक ज्योतिष में आचार्य लगध के योगदान का निरूपण कीजिए।
2. वराहमिहिर के व्यक्तित्व एवं कतृत्व पर प्रकाश डालिए।
3. भास्कराचार्य का परिचय देकर उनके रचना-संसार पर प्रकाश डालिए।

4. गणेश दैवज्ञ का परिचय दीजिए तथा ज्योतिष में उनके अवदान का निरूपण कीजिए।

5. सवाई जयसिंह के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

6. डॉ. सम्पूर्णानन्द का ज्योतिशास्त्र में क्या योगदान है ? वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

निदेश: निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। 4×10=40

1. आर्यभट्ट कौन हैं ? इनके ज्योतिषशास्त्रीय योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. ब्रह्मगुप्त के ज्योतिषशास्त्रीय योगदान का वर्णन कीजिए।

3. आचार्य श्रीपति का परिचय दीजिए और सिद्ध कीजिए कि ज्योतिषशास्त्र में इनका क्या योगदान है।

4. केशवाचार्य के ज्योतिष सम्बन्धी कार्यों का वर्णन कीजिए।

5. कमलाकर भट्ट का परिचय दीजिए तथा उनके द्वारा ज्योतिष के विकास में किए गए कार्यों का वर्णन कीजिए।

6. आचार्य लल्ल का परिचय लिखिए।

7. आचार्य मकरन्द ने ज्योतिष के क्षेत्र में क्या कार्य किया है ? वर्णन कीजिए।

8. आचार्य बटेश्वर के कार्यों पर टिप्पणी लिखिए।